|  |
| --- |
| 28. September 2025 |
| **26. Sonntag im Jahreskreis C** |
| Erste Lesung: Am 6,1a.4-7; Zweite Lesung: 1 Tim 6,11-16; Evangelium: Lk 16,19-31  |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 146, 1-4 | Du rufst uns, Herr, an deinen Tisch  |
|  | GL 700 | Wie freue ich der Botschaft mich |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 437 | Meine engen Grenzen |
|  | GL 163, 4 | Herr Jesus |
|  | GL 155 | Kyrie eleison |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 706 | Wir beten an und loben dich |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 146, 6-10 |   |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 394 | Laudate Dominum |
|  | oder |  |
|  | GL 440, 1-5 | Hilf, Herr, meines Lebens |
|  | GL 448, 1+2!+4 | Herr, gib uns Mut |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 6 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Jesus Christus, der reich war,*  |
|  | *wurde aus Liebe arm.* |
|  | *Und durch seine Armut hat er uns reich gemacht.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 793 | Dich, o Gott  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 458 / 459 | Selig seid ihr |
|  | GL 460 | Wer leben will |
|  | GL 210 | Das Weizenkorn muss sterben |
|  | GL 474 | Wenn wir das Leben teilen |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 718 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 498, 1+3 | Das Heil der Welt |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 216, 1+2! | Im Frieden dein  |
|  | GL 446, 1-4 | Lass uns in deinem Namen |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 429, 1+4+5 | Gott wohnt in einem Lichte |
|  | GL 451 | Komm, Herr, segne uns |